वो कौन है जो हमें पुजारी से पूज्य बनाता
वो कौन है जो हमारी हर बिगड़ी को बनाता
हम सबके लिए जो पतित दुनिया में आता
सौगात के रूप में स्वर्ग हथेली पर वो लाता
डूबती हुई जीवन की नैया को पार लगाता
मुक्ति और जीवन मुक्ति का राज हमें बताता
निर्विकारी बनाकर काल के पंजे से छुड़ाता
अशरीरी बनाकर हमें घर की और उड़ाता
नजर नहीं आता वो फिर भी बहुत लुभाता
न जाने क्यूँ उसे हम पर इतना प्यार आता
मीठी बातें सुनाकर जाने कहाँ वो छुप जाता
जब टटोलूं मेरा मन तो वहीँ बैठा मिल जाता
क्यूँ ना जाऊं मैं उस निरहंकारी पर बलिहार
लूटा रहा है मुझ पर बिन उम्मीद इतना प्यार
मैं तो उसके बारे में था बिलकुल ही अनजान
अब जाना उसको वो है प्यारा शिव भगवान
ॐ शांति